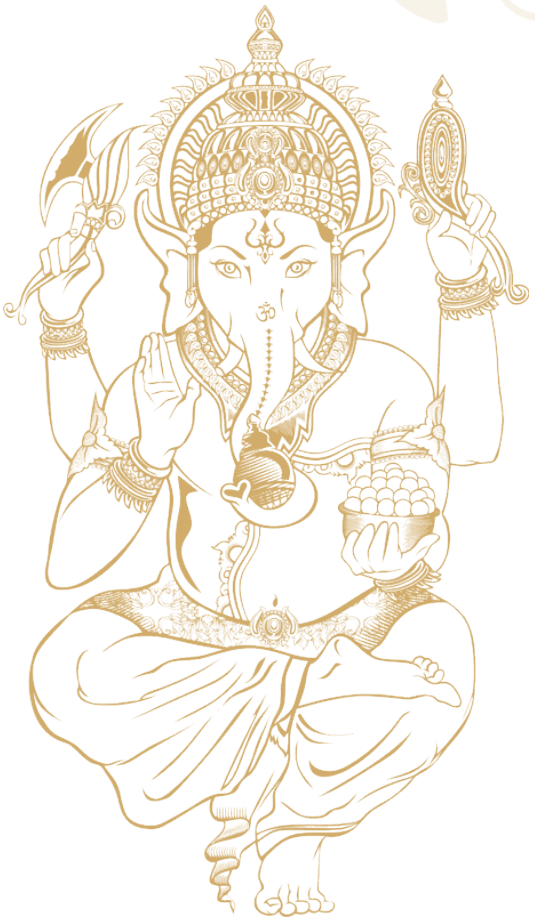

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 06/01/1997 | जन्म तिथि | 13/07/1999 |
| सोमवार | दिन | मंगलवार |
| घंटे 10:00:00 | जन्म समय | 14:10:00 घंटे |
| घटी 07:05:44 | जन्म समय(घटी) | 21:37:44 घटी |
| India | देश | India |
| Hathras | स्थान | Hathras |
| 27:36:00 उत्तर | अक्षांश | 27:36:00 उत्तर |
| 78:02:00 पूर्व | रेखांश | 78:02:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:17:52 | स्थानिक संस्कार | -00:17:52 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 07:09:42 | सूर्योदय | 05:30:54 |
| 17:37:57 | सूर्यास्त | 19:15:52 |
| 23:48:57 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:50:50 |

| विंशोत्तरी<br>शनि 7वर्ष 5मा 26दि | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी<br>गुरु 3वर्ष 8मा 11दि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| केतु | 10:21:15 | कुंभ | लग्न | तुला | 18:58:52 | बुध |
| 04/07/2021 | 22:04:49 | धनु | सूर्य | मिथु | 26:41:13 | 24/03/2022 |
| 04/07/2028 | 11:24:38 | वृश्चि | चंद्र | कर्क | 00:15:08 | 25/03/2039 |
| केतु 30/11/2021 | 07:03:48 | कन्या | मंगल | तुला | 09:07:23 | बुध 20/08/2024 |
| शुक्र 30/01/2023 | 12:40:09 | धनु व | बुध व | कर्क | 15:38:15 | केतु 17/08/2025 |
| सूर्य 07/06/2023 | 02:33:30 | मक | गुरु | मेष | 08:17:44 | शुक्र 17/06/2028 |
| चन्द्र 06/01/2024 | 01:07:20 | धनु | शुक्र | सिंह | 06:32:15 | सूर्य 23/04/2029 |
| मंगल 03/06/2024 | 07:48:05 | मीन | शनि | मेष | 21:24:55 | चन्द्र 23/09/2030 |
| राहु 22/06/2025 | 08:22:18 | कन्या व | राहु व | कर्क | 19:09:31 | मंगल 20/09/2031 |
| गुरु 29/05/2026 | 08:22:18 | मीन व | केतु व | मक | 19:09:31 | राहु 08/04/2034 |
| शनि 07/07/2027 | 09:44:38 | मक | हर्ष व | मक | 21:56:20 | गुरु 14/07/2036 |
| बुध 04/07/2028 | 03:12:18 | मक | नेप व | मक | 09:28:42 | शनि 25/03/2039 |
| | 10:44:25 | वृश्चि | प्लूटो व | वृश्चि | 14:14:22 | |

**लग्न-चलित**

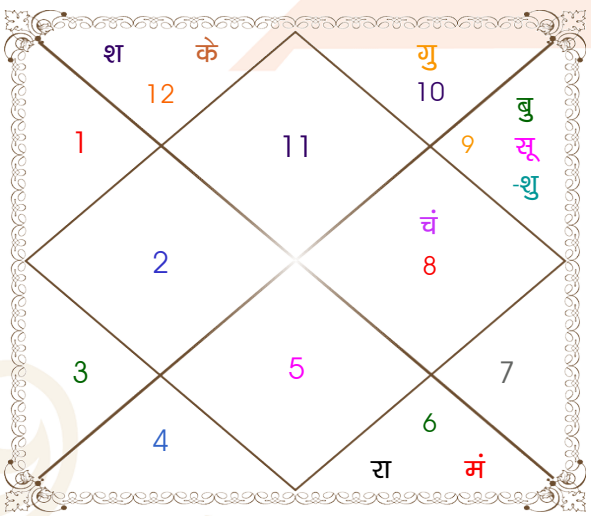


**लग्न-चलित**

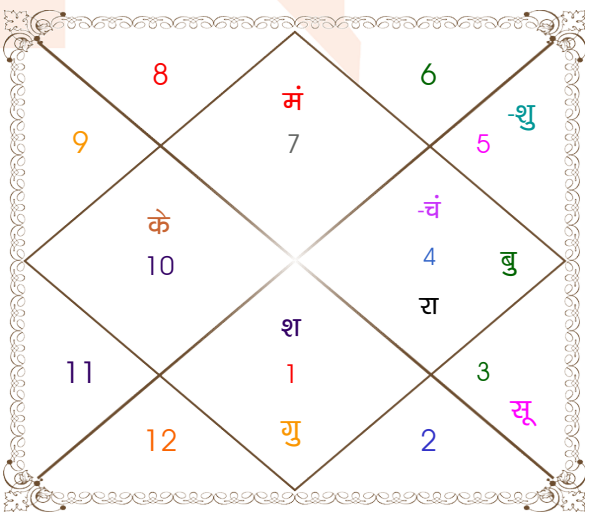

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | विप्र | विप्र | 1 | 1.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | कीटक | जलचर | 2 | 1.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | सम्पत | अतिमित्र | 3 | 3.00 | -- | भाग्य |
| योनि | मृग | मार्जार | 4 | 2.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | मंगल | चन्द्र | 5 | 4.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | देव | देव | 6 | 6.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | वृश्चिक | कर्क | 7 | 0.00 | हाँ | जीवन शैली |
| नाड़ी | मध्य | आद्य | 8 | 8.00 | -- | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 25.00 | | |

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. का वर्ग सर्प है तथा Ms. का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

## मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।**
**न मंगली मंगल राहु योग।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Mr. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।